अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 भूमिका :–

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या शोधप्रक्रिया के आगमन तथा निगमन तर्क के प्रयोग को व्यक्त करता है। स्वनिर्मित परिकल्पनाओं के स्वीकृति हेतु प्रदत्तों का समूह वह उपसमूह में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञान किया जाता है। जो नवीन सिद्धान्त की खोज अथवा सामान्यीकरण रूप से होता है। प्रदत्तों के विश्लेषण के अंतर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परीक्षण द्वारा कर शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पत्तियों द्वारा किया जाता है।

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या :–

प्रस्तुत अध्याय में उचित सांख्यिकी विधियों का उपयोग करके पारित प्रदत्तों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। इस शोध अध्ययन में कुल 10 परिकल्पनायें रखी गई है। जिसकी प्रदत्तों के निरंतर प्रस्तुतीकरण के लिए शोध समस्या के अध्ययन से निकले परिणाम की व्याख्या की गई है।

जे.एच.पाईनकर के शब्दों में – "एक मकान का निर्माण पत्थरों से होता है किन्तु पत्थरों के ढेर से नहीं वरन् जटिल पत्थरों को सुव्यवस्थित रूप से रखने से होता है, वैज्ञानिक तथ्य का निर्माण भी तथ्यों के संकलन उपरान्त उचित विश्लेषण तथा व्याख्या द्वारा होता है।"

उद्देश्य :– 1

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्रारंभिक एवं माध्यमिक शाला के विद्यालयों के विद्यार्थियों की शालेय प्रार्थना की अवधि, समय और प्रकृति की तुलना करना।

प्रस्तुत उद्देश्य को दो पेटा प्रकारों में बाटा गया है।

उद्देय क्रमांक –1

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्रारंभिक विद्यालय की शालेय प्रार्थना की अवधि समय और प्रकृति का अध्ययन करना।

निम्नलिखित तालिका क्रमांक 4.2.1 में प्रारंभिक विद्यालय की शालेय प्रार्थना की अवधि, समय और प्रकृति का विवरण दर्शाया गया है।

तालिका 4.2.1

शालेय प्रार्थना की अवधि, समय और प्रकृति का विवरण। (कक्षा–7)

क्रम	विद्यालय का नाम	अवधि	समय	प्रार्थना का प्रकार	क्षेत्र	आवृत्ति
1.	नचिकेता विद्यानिकेतन	30	8 से 8.30	श्लोक, स्तृति देशभक्ति, जनगनमन	शहरी	सुबह, दोपहर
2.	खोडियार विद्यालय	35	7.30 से 6.05	श्लोक–गान भजन, जनगनमन	शहरी	सुबह, दोपहर
3.	अर्चना विद्यासंकुल	20	8 से 8.20	सरस्वती–वंदना, वन्देमातरम्	शहरी	सुबह, दोपहर
4.	सेगवा प्राथमिक शाला	30	10 से 10.30	सर्वधर्म की प्रार्थना श्लोक–गान, जनगनमन	ग्रामीण	सुबह, दोपहर, शाम

5.	कलवाड़ा प्राथमिक शाला	30	10 से 10.30	भजन, धून जनगनमन	ग्रामीण	सुबह, दोपहर, शाम
6.	जीवन शिक्षण शाला	30	10 से 10.30	भजन, धून, संभाषण जनगनमन	ग्रामीण	सुबह, दोपहर, शाम

उपरोक्त तालिका 4.2.1 दर्शाती है कि सुरत शहर की प्रारंभिक विद्यालय की प्रथम विद्यालय नचिकेता विद्यानिकेतन में सुबह की प्रार्थना 8 बजे से 8.30 तक याने की 30 मिनिट तक होती है। प्रार्थना सभा की शुरूआत संस्कृत श्लोक स्तुति से होती है। जबकि उसका अंत जनगनमन गाकर किया जाता है। सुबह और दोपहर दो समय प्रार्थना की जाती है।

दूसरे खोडियार विद्यालय में प्रार्थना का समय सुबह 7.30 बजे से 8.05 तक याने 35 मिनिट तक होती है। जिसमें हर सप्ताह में निश्चित की गई प्रार्थना गायी जाती है। उसकी शुरूआत श्लोक गान (संस्कृत) से होती है। अंत में जनगनमन गाने के बाद अध्यापन कार्य शुरू किया जाता है।

तृतीय विद्यालय अर्चना विद्या संकुल में प्रार्थना 20 मिनट की होती है। जो कि 8 बजे से 8.20 बजे तक चलती है। जिसमें सरस्वती वंदना एवं वन्देमातरम् गाया जाता है। सुबह और दोपहर दो बार प्रार्थना की जाती है।

वलसाड के ग्रामीण क्षेत्र की प्रारंभिक शाला में सेगवा प्राथमिक शाला में प्रार्थना की शुरूआत 10.30 बजे सर्वधर्म की प्रार्थना से होती है। क्रमानुसार श्लोक, भजन, सुविचार एवं समाचार के बाद जनगनमन गाकर 11.00 बजे से अध्यापन कार्य शुरू किया जाता है।

कलवाड़ा प्राथमिक शाला में प्रार्थना की शुरूआत 10.30 से लेकर 11.00 बजे तक याने 30 मिनिट होती है। सबसे पहले भजन, धून के बाद संभाषण होता है। उसके बाद जनगनमन गाया जाता है।

जीवन शिक्षण शाला में प्रार्थना 30 मिनिट तक करवाई जाती है। सुबह 10.30 से श्लोक–गान, प्रार्थना, प्रकृतिगीत के बाद जनगनमन गाया जाता है।

वलसाड की उपरोक्त तीनों शालाओं में सुबह, दोपहर और शाम तीनों समय प्रार्थना की जाती है। जबकि सभी शालाओं का समय एवं अवधि एक सी पाई गई।

उद्देश्य क्रमांक–2

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों की शालेय प्रार्थना की अवधि, समय और प्रकृति का अध्ययन करना।

निम्नलिखित तालिका क्रमांक 4.2.2 में माध्यमिक विद्यालय का शालेय प्रार्थना की अवधि, समय और प्रकृति का विवरण दर्शाया गया है।

तालिका 4.2.2

शालेय प्रार्थना की अवधि, समय और प्रकृति का विवरण। (कक्षा–10)

क्रम	स्कूल का नाम	अवधि	समय	प्रार्थना का प्रकार	क्षेत्र	आवृत्ति
1.	नचिकेता विधानिकेतन	30	1.30 से 2.00	श्लोक, प्रार्थना जनगनमन	शहरी	दोपहर, शाम
2.	खोडियार विद्यालय	30	1.30 से 2.00	श्लोक–गान, भजन, धून, जनगनमन	शहरी	दोपहर, शाम

3.	अर्चना विद्यासंकुल	30	1.45 से 2.15	सरस्वती–वंदना, वन्देमातरम्	शहरी	दोपहर, शाम
4.	नवप्रगति सार्वजनिक हाईस्कूल कलवाड़ा	20	10.30 से 10.50	सर्वधर्म की प्रार्थना श्लोक, गान जनगनमन	ग्रामीण	सुबह, दोपहर, शाम
5.	सार्वजनिक माध्यमिक शाला, फनसवाड़ा	30	10.30 से 11.00	सरस्वती वंदना, प्रार्थना, जनगनमन	ग्रामीण	सुबह, दोपहर, शाम
6.	श्रीमति एम.जी. पटेल आदर्श सार्वजनिक हाईस्कूल	35	10.30 से 11.05	श्लोक–गान, भजन, धून सुविचार, जनगनमन	ग्रामीण	सुबह, दोपहर, शाम

उपरोक्त तालिका 4.2.2 में दर्शाया गया है कि सुरत शहर की नचिकेता विद्यानिकेतन के माध्यमिक विद्यालय का समय दोपहर से है। अतः प्रार्थना 1.30 से 2.00 बजे तक की जाती है, जो कि 30 मिनिट की है। प्रार्थना की शुरूआत श्लोक से होती है। इसके बाद सामूहिक प्रार्थना की जाती है। और अंत में जनगनमन गाया जाता है। दोपहर और शाम घर जाते समय प्रार्थना (श्लोक) होती है।

द्वितीय शाला खोडियार विद्यालय में प्रार्थना का समय 1.30 से 2.00 बजे तक है। जिसमें श्लोक गान, भजन, धून के बाद जनगनमन

गाकर अध्यापन कार्य किया जाता है। दोपहर और शाम दोनों वक्त प्रार्थना की जाती है।

अर्चना विद्यासंकुल में 20 मिनिट की प्रार्थना होती है। प्रार्थना का समय 1.45 से 2.15 तक का रखा गया है। जिसमें सरस्वती वंदना, समूह प्रार्थना और जनगनमन का समावेश होता है। दोपहर और शाम दोनों ही वक्त प्रार्थना की जाती है।

वलसाड के ग्रामीण क्षेत्र की नवप्रगति सार्वजनिक हाईस्कूल, कलवाड़ा में 10.30 से 10.50 तक 20 मिनट की प्रार्थना की जाती है। सर्वप्रथम सर्वधर्म की प्रार्थना की जाती है। बाद में दैनिक समूह प्रार्थना और जनगनमन गाया जाता है।

सार्वजनिक माध्यमिक शाला कलवाड़ा में 10.30 से 11.00 तक 30 मिनट तक प्रार्थना की जाती है। जिसमें सरस्वती वंदना, प्रार्थना और जनगनमन का समावेश होता है।

श्रीमति एम.जी.पटेल, आदर्श सार्वजनिक हाईस्कूल में 35 मिनट की प्रार्थना की जाती है जो 10.30 बजे से 11.05 तक होती है जिसमें श्लोक-गान, भजन, धून, सुविचार और जनगनमन का समावेश होता है।

वलसाड के ग्रामीण क्षेत्र की उपरोक्त तीनों माध्यमिक विद्यालयों में सुबह, दोपहर और शाम, तीनों समय प्रार्थना की जाती है।

(प्रस्तुत शोध की सभी परिकल्पना का परीक्षण 't' परीक्षण से किया गया है।)

परिकल्पना –2

प्रारंभिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शालेय प्रार्थना के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक–4.2.3

शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण के प्राप्तांक व कक्षा के सार्थकता का विवरण

चर	कक्षा	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' का मान	स्वतंत्रता अंश
अभिवृत्ति	प्रारंभिक	120	85.55	6.90	-1.121	238
	माध्यमिक	120	86.48	5.87		

तालिका 4.2.3 द्वारा

0.01 स्तर पर 'टी' का मूल्य = 2.60

कक्षा सातवीं एवं कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति के 'टी' प्राप्तांक का मूल्य -1.121 है। यह मूल्य 'टी' तालिका के 0.05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से कम है। इसलिए 'टी' प्राप्तांक 0.05 तथा 0.01 इन दोनों स्तरों पर सार्थक नहीं है।

अतः प्राप्त 'टी' मूल्य सार्थक नहीं होने की वजह से शून्य परिकल्पना स्वीकृत किया जाता है।

परिकल्पना –3

ग्रामीण तथा शहरी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शालेय प्रार्थना के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक–4.2.4

शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण के प्राप्तांक व क्षेत्र के सार्थकता का अंतरः–

चर	क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' का मान	स्वतंत्रता अंश
अभिवृत्ति	ग्रामीण	120	85.26	6.80	–1.837	238
	शहरी	120	86.77	5.89		

तालिका 4.2.4 द्वारा

0.01 स्तर पर 'टी' का मूल्य = 2.60

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में प्रार्थना अभिवृत्ति के 'टी' प्राप्तांक का मूल्य –1.837 है। यह मूल्य 'टी' तालिका के 0.05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से ज्यादा है। इसलिए 'टी' प्राप्तांक 0.05 तथा 0.01 इन दोनों स्तरों पर सार्थक है।

अतः प्राप्त 'टी' मूल्य सार्थक होने की वजह से शून्य परिकल्पना अस्वीकृत किया जाता है।

परिकल्पना –4

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्रारंभिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शालेय प्रार्थना के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक–4.2.5

शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण के प्राप्तांक एवं क्षेत्र तथा कक्षा की सार्थकता का अंतर

कक्षा–7

चर	क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' का मान	स्वतंत्रता अंश
अभिवृत्ति	ग्रामीण	60	83.70	7.57	-0.037	118
	शहरी	60	87.40	5.63		

तालिका क्रमांक 4.2.5 द्वारा

0.01 स्तर पर 'टी' का मूल्य = 2.63

कक्षा सातवीं के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के विद्यार्थियों में शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति के 'टी' प्राप्तांक का मूल्य 3.037 है ये मूल्य 'टी' तालिका के 0.05 तथा 0.01 स्तर के मूल्य से ज्यादा है। इसलिए 'टी' प्राप्तांक 0.05 तथा 0.01 इन दोनों स्तरों पर सार्थक है।

अतः प्राप्त 'टी' मूल्य सार्थक होने की वजह से शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है।

परिकल्पना –5

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शालेय प्रार्थना के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक–4.2.6

शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण के प्राप्तांक क्षेत्र व कक्षा दसवीं की सार्थकता का अंतर

कक्षा–10वीं

चर	क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' का मान	स्वतंत्रता अंश
अभिवृत्ति	ग्रामीण	60	86.82	5.56	.640	118
	शहरी	60	86.13	6.13		

तालिका क्रमांक 4.2.6 द्वारा

0.01 स्तर पर 'टी' का मूल्य = 2.63

कक्षा दसवीं के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की प्रार्थना अभिवृत्ति के परीक्षण का मूल्य .640 है। यह मूल्य 'टी' तालिका के 0. 05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से कम है। इसलिए 'टी' प्राप्तांक 0. 05 तथा 0.01 इन दोनों स्तरों पर सार्थक नहीं है।

अतः प्राप्त 'टी' मूल्य सार्थक नहीं होने की वजह से शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना –6

छात्र एवं छात्राओं की शालेय प्रार्थना के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक–4.2.7

शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण प्राप्तांक व लिंग की सार्थकता का अंतर

चर	क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' का मान	स्वतंत्रता अंश
अभिवृत्ति	छात्र	60	86.82	5.56	0.640	118
	छात्राएँ	60	86.13	6.13		

तालिका क्रमांक 4.2.7 द्वारा

0.01 स्तर पर 'टी' का मूल्य = 2.60

छात्र एवं छात्राओं के प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण के 'टी' प्राप्तांक का मूल्य 0.433 है यह मूल्य 'टी' तालिका के मूल्य से कम है। इसलिए 'टी' प्राप्तांक 0.05 तथा 0.01 इन दोनों स्तरों पर सार्थक अंतर नहीं है।

अतः प्राप्त 'टी' मूल्य सार्थक न होने की वजह से शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना –7

ग्रामीण क्षेत्र के प्रारंभिक विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक–4.2.8

शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण एवं क्षेत्र, कक्षा तथा लिंग की सार्थकता का अंतर

कक्षा 7वीं (ग्रमीण क्षेत्र)

चर	क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' का मान	स्वतंत्रता अंश
अभिवृत्ति	छात्र	28	83.18	8.76	.496	58
	छात्राएं	32	84.16	6.47	.486	

तालिका क्रमांक 4.2.8 द्वारा

0.01 स्तर पर 'टी' का मूल्य = 2.68

कक्षा सातवीं के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति के 'टी' प्राप्तांक का मूल्य 0.496 है यह मूल्य 'टी' तालिका के 0.05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से कम हैं। इस लिए 'टी' प्राप्तांक 0.05 एवं 0.01 इन दोनों स्तरों पर सार्थक नहीं है।

अतः प्राप्त 'टी' मूल्य सार्थक न होने की वजह से शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना –8

शहरी क्षेत्र के प्रारंभिक विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक–4.2.9

शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण के प्राप्तांक एवं क्षेत्र, कक्षा और लिंग की सार्थकता का अंतर

कक्षा 7वीं (शहरी क्षेत्र)

चर	क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' का मान	स्वतंत्रता अंश
अभिवृत्ति	छात्र	21	87.00	7.23	0.401	58
	छात्राएं	39	87.62	4.67		

तालिका क्रमांक 4.2.9 द्वारा

0.01 स्तर पर 'टी' का मूल्य = 2.68

कक्षा सातवीं के शहरी क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति के 'टी' प्राप्तांक मूल्य 0.401 है। यह मूल्य 'टी' तालिका के 0. 05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से कम है। इसलिए 'टी' प्राप्तांक 0. 05 तथा 0.01 इन दोनों स्तरों पर सार्थक नहीं है।

अतः प्राप्त 'टी' मूल्य सार्थक होने की वजह से शून्य परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

परिकल्पना –9

ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक–4.2.10

शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण के प्राप्तांक एवं क्षेत्र, कक्षा औरा लिंग की सार्थकता का अंतर

कक्षा 10वीं (ग्रामीण क्षेत्र)

चर	क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' का मान	स्वतंत्रता अंश
अभिवृत्ति	छात्र	36	87.92	3.71	1.920	58
	छात्राएं	24	85.17	7.32		

तालिका क्रमांक 4.2.10 द्वारा

0.01 स्तर पर 'टी' का मूल्य = 2.68

कक्षा दसवीं के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति के 'टी' प्राप्तांक का मूल्य 1.920 है यह मूल्य 'टी' तालिका के 0.05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से कम हैं। इसलिए 'टी' प्राप्तांक 0. 05 एवं 0.01 इन दोनों स्तरों पर सार्थक नहीं है।

अतः प्राप्त 'टी' मूल्य सार्थक न होने की वजह से शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना –10

शहरी क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं की शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका कमांक–4.2.11

शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति परीक्षण के प्राप्तांक व क्षेत्र, कक्षा और लिंग के सार्थकता का अंतर

कक्षा 10वीं (शहरी क्षेत्र)

चर	क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' का मान	स्वतंत्रता अंश
अभिवृत्ति	छात्र	23	87.92	7.86	-1.492	58
	छात्राएं	37	87.05	4.64		

तालिका क्रमांक 4.2.11 द्वारा

0.01 स्तर पर 'टी' का मूल्य = 2.68

कक्षा दसवीं के शहरी क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की शालेय प्रार्थना अभिवृत्ति के 'टी' प्राप्तांक का मूल्य -1.492 है। यह मूल्य 'टी' तालिका के 0.05 स्तर एवं 0.01 स्तर के मूल्य से कम हैं। इस लिए 'टी' प्राप्तांक 0.05 एवं 0.01 इन दोनों स्तरों पर सार्थक नहीं है।

अतः प्राप्त 'टी' मूल्य सार्थक न होने की वजह से शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।